एम. ए. हिंदी साहित्य

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome Based Curriculum

सत्र : 2020

ज्ञान शांति मैत्री

हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

साहित्य विद्यापीठ विश्वविद्यालय अधिनियम के अंतर्गत स्थापित प्रारम्भिक चार विद्यापीठों में से एक है. हिंदी साहित्य का भारतीय तथा विश्व भाषाओं के साथ संवाद, तुलनात्मक अध्ययन, शोध एवं प्रदर्शनकारी कलाओं (फिल्म एवं थियेटर) का अध्ययन एवं शोध इस विद्यापीठ की अभीष्ट गतिविधियाँ हैं। विद्यापीठ की मूल संकल्पना देश दुनिया के भाषायी एवं साहित्यिक वैविध्य के पीछे सक्रिय समान मानवीय मस्तिष्क और उसकी सृजनशीलता एवं साम्य की धारणा पर अवलम्बित है। भाषा और साहित्य अनेक और बहुविध हैं, किंतु उनका सर्जकमानस और आस्वादकचित्त अपने संस्कारों के भेद के बावजूद बुनियादी प्रकृति में एक-सा है। इस कारण विभिन्न भाषाओं के साहित्य के बीच संवाद की अपार संभावनाएं हैं। इन संभावनाओं का सन्धान और शोध विद्यापीठ की प्राथमिकता है।

इसके अकादमिक उद्देश्यों की उपलब्धि के साथ ही राष्ट्रीय भावात्मक एकता तथा मानवीय सह-भाव की सम्पुष्टि भी अभीप्सित है।

साहित्य समावेशी विद्या है। ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों और कलाओं के साथ उसका घनिष्ठ एवं प्रगाढ़ संबंध परम्परा मान्य है। नयी प्रौद्योगिकी और मीडिया से भी साहित्य का अपरिहार्य संबंध विकसित हुआ है। इस दृष्टि से अन्तरानुशासनिक अध्ययन एवं शोध साहित्य विद्यापीठ की प्राथमिकताओं में है। एकल साहित्य अध्ययन, तुलनात्मक भारतीय साहित्य तथा प्रदर्शनकारी कलाओं का अध्ययन एवं शोध विद्यापीठ की प्रतिश्रुति है।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण Teaching	**उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme)** • **स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme)** • **स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)** • **डिप्लोमा कार्यक्रम (Diploma Programme)** • **सर्टिफिकेट कार्यक्रम (Certificate Programme)**
शोध Research	**विभागद्वारा चिह्नित विशेषीकृत शोध-क्षेत्र (Research Areas specified by the Department)**
	पी-एच.डी. कार्यक्रम (Ph.D. Programme)
	शोध-परियोजना (Research Project)

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Teaching Programme

1. **विभाग/केंद्र का नाम:** हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग
   (Name of the Department/Centre)

2. **पाठ्यक्रम का नाम: एम. ए. हिंदी साहित्य**
   (Name of theProgramme)
3. **पाठ्यक्रम कोड:**MH
   (Code of theProgramme)

4. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):**
   (Programme Learning Outcomes)

ज्ञान संबंधी	1. साहित्य के सौंदर्य, कला तथा वैचारिक मूल्यों के प्रति विवेक का निर्माण करना।

	2. हमारा सर्वोत्तम साहित्य लोकभाषाओं में रचा गया है। हिंदी की शक्ति का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत लोकभाषाएं हैं। उनसे निरंतर संपर्क, संवाद तथा सहयोग के लिए प्रयास करना। 3. लोकसाहित्य के क्षेत्र में शोधकार्य के अवसर उपलब्ध कराना । 4. सामाजिक परिवर्तन की शक्तियों के प्रभाव से प्रचलित नये सामाजिक विमर्श यथा : दलित विमर्श, स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श आदि से संबद्ध साहित्य के अध्ययन तथा अनुसंधान को प्रोत्साहित करना ।
कौशल/दक्षता संबंधी	1. साहित्यिक एवं अकादमिक हिंदी बोलने और लिखने के कौशल का विकास करना । 2. पढ़ने और सुनने के कौशल का विकास करना । 3. समीक्षात्मक अवधारणाओं को प्रयोग करने की योग्यता का विकास करना । 4. अभिव्यक्ति के विभिन्न कौशलों का विकास करना । 5. तुलनात्मक भारतीय साहित्य के अध्ययन से आलोचनात्मक विवेक का विकास करना । 6. विद्यार्थी में लेखन, वाचन और श्रवण के साथ साथ कल्पनाशक्ति का विकास करना । 7. साहित्य के अध्ययन विश्लेषण द्वारा तुलनात्मक अध्ययन दृष्टि का विकास करना ।
रोजगार संबंधी	अध्यापन,तकनीक, कम्प्यूटर, अनुवाद, पत्रकारिता, जनसंचार, रंगमंच, चलचित्र आदि केक्षेत्रों में रोज़गार की संभावनाएं सुलभ हो सकेंगी ।

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for theCourse

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विधार्थियों में कविता के प्रति रुचि उत्पन्न कराने के साथ कविता के वाचन का कौशल भी कैसे विकसित हो इस पर भी ध्यान दिया जायेगा जिससे एक तरफ तो विद्यार्थी का कौशलगत विकास होगा तो वहीँ दूसरी तरफ उनमें कविता लिखने की भी शैली विकसित होगी।
कुल क्रेडिटघंटे	**60**

1. **पाठ्यचर्या का नाम**(Name of the Course):**प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता**
2. **पाठ्यचर्या का कोड**(Code of the Course): **MHS101**
3. **क्रेडिट(Credit): 04**
4. **सेमेस्टर(Semester): प्रथम**

5.पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या से विद्यार्थी प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता की पृष्ठभूमि को समझने के साथ इस कालखण्ड की हिंदी कविता के मूल पाठ से परिचित होंगे। इसके साथ ही प्राचीन एवं मध्यकालीन संस्कारों में कविता की बनावट और विषयवस्तु में कौन- कौन से महत्वपूर्ण परिवर्तन आ रहे थे, इस पर भी विद्यार्थियों की समझ विकसित होगी।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes) :

ज्ञान संबंधी	• विद्यार्थी मध्यकालीन कवि, कविता, युगबोध के साथ उनके संदर्भों एवं संबंधों की परख विकसित कर सकेंगे। • अपभ्रंश से लेकर देशज शब्दावली किन रूपों में कविता की समृद्धि को सुनिश्चित करते हुए उसे लोक तक ले जाती है, विद्यार्थी इससे भी अवगत होंगे। • शिल्प की दृष्टि से कविता किन अर्थो में महत्वपूर्ण है, इसकी समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी।
कौशल / दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता के अध्ययन से उच्चभावबोध एवं उच्च चिंतन की ओर अग्रसर होकर बेहतर मनुष्य बनने का प्रयास करेंगे। • विद्यार्थी हिंदी कविता के प्रस्थान को समझते हुए कविता का पाठ कैसे किया जाए जैसे बुनियादी कौशल से भी परिचित होंगे।
रोजगार संबंधी	• इस पाठ्यचर्या के अध्ययन से रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों में विद्यार्थियों को सहायता मिलेगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents oftheCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	• प्राचीन हिंदी कविता की पृष्ठभूमि • अमीर खुसरो की हिंदी कविता • 05 पहेलियाँ • 05 मुकरियाँ • विद्यापति और उनकी पदावली 05 पद (1,5,10, 18,23 संपादक- रामवृक्ष बेनीपुरी) • चंदबरदाई और उनकी कविता पृथवीराजरासो : कयमासवध	12	03	…….	15	25%
मॉड्यूल-2	• मध्यकालीन हिंदी कविता की पृष्ठभूमि • कबीर और उनकी कविता साखी- गुरुदेव कौ अंग – 11, 20 सुमिरण कौ अंग – 28 विरह कौ अंग - 30 ज्ञान विरह कौ अंग – 04 परचा कौ अंग – 08, 22 रस कौ अंग – 01, 02 पतिव्रता कौ अंग – 03 लै कौ अंग – 01 चितावणी कौ अंग – 01, 34 मन कौ अंग -28 माया कौ अंग – 08, 11 चाणक कौ अंग – 10, 13 सहज कौ अंग – 02 कुसंगति कौ अंग – 07 पद- 16, 35, 40, 43, 63, 134, 206 • जायसी और उनकी कविता पद्मावत (सिंहलद्वीप वर्णन खण्ड) • सूरदास और उनकी कविता भ्रमरगीत सार से 10 पद – 01,02,09,22,24,28,34,39,	12	03	…….	15	25%

	41,52					
मॉड्यूल-3	• तुलसी और उनकी कविता विनयपत्रिका – 10 पद – 79, 90, 100, 105, 111, 162, 172, 174, 178, 245 • मीराबाई और उनकी पदावली 10 पद – 01, 03, 18, 28, 32, 36, 38, 41, 53, 70 • केशवदास और उनकी कविता रामचंद्रिका का चयनित अंश	12	03	....	15	25%
मॉड्यूल-4	• बिहारी और उनकी कविता बिहारी सतसई से 15 छंद – 01, 20 ,32 ,35, 38, 52, 70, 73, 94, 121, 141, 161, 190, 192, 201 • घनानद और उनकी कविता (घनानन्द कवित्त से 10 छंद	12	03	....	15	25%
योग		48	12		60	100%

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान : (Approaches, Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, लोक प्रस्तुति
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण,दृश्य श्रव्य माध्यम
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , दृश्य श्रव्य माध्यम इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.**अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ** (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. ब्रजरत्नदास (सं.), खुसरो की हिंदी कविता, वाराणसी, नागरी प्रचारिणी सभा 2. रामवृक्ष बेनीपुरी (सं.), विद्यापति. 3. माता प्रसाद गुप्त, (सं.) पृथ्वीराजरासो 4. श्यामसुंदर दास, कबीर ग्रंथावली, वाराणसी, नागरीप्रचारणी सभा. 5. शुक्ल, रामचंद्र, भ्रमरगीत सार , वाराणसी, नागरीप्रचारणी सभा. 6. तुलसीदास, विनयपत्रिका, गोरखपुर, गीता प्रेस. 7. केशवदास, रामचंद्रिका. 8. रत्नाकर जगन्नाथ (सं.), बिहारी रत्नाकार, इलाहाबाद , लोकभारती प्रकाशन. 9. मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद, घनानंद कवित्त वाराणसी, संजय बुक सेंटर, गोलघर. 10. चतुर्वेदी परशुराम (सं.), मीराबाई पदावली,
2	संदर्भ-ग्रंथ	द्विवेदी, हजारी प्रसाद, कबीर, नयी दिल्ली, राजकमल प्रकाशन. वर्मा, रामकुमार, कबीर का रहस्यवाद, इलाहाबाद, साहित्य भवन प्रा.लि. विजेन्द्र स्नातक (सं.), कबीर नयी दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन. शुक्ल, रामचंद्र, गोस्वामी तुलसीदास, काशी, नागरी प्रचारिणी सभा. शुक्ल, रामचंद्र (सं.), जायसी ग्रन्थावली, काशी नागरी प्रचारिणी सभा. विजयदेवनारायण साही, जायसी, इलाहाबाद, हिन्दुस्तानी एकेडेमी. सिंह, उदयभान, तुलसी काव्य मीमांसा, नयी दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन. रमेश कुन्तलमेघ, तुलसी आधुनिक वातायन से नयी दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन. शास्त्री, विष्णुकांत, तुलसी के हिय हेरि, इलाहाबाद, लोकभारती. अग्रवाल, वासुदेव शरण, पद्मावत, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन. मिश्र, विश्वनाथ, बिहारी की वाग्विभूति, वाराणसी) पाण्डेय, मैनेजर, भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य, नयी दिल्ली, वाणी प्रकाशन. वाजपेयी, नंददुलारे, महाकवि सूरदास, नयी दिल्ली, राजकमल प्रकाशल. त्रिपाठी, विश्वनाथ, मीरां का काव्य, नयी दिल्ली, वाणी प्रकाशन. शुक्ल, रामचंद्र, सूरदास, काशी, नागरी प्रचारिणी सभा. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, सूर साहित्य, नयी दिल्ली, राजकमल प्रकाशन.
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि

4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for theCourse

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	---
कौशल विकास गतिविधियाँ	इस पाठ्यचर्या के अध्ययन से विधार्थियों में हिंदी साहित्य के इतिहास में चले आ रहे क्रमिक परिवर्तनों के आधार पर इतिहास बोध विकसित होगा जिसके माध्यम से विद्यार्थी अपना साहित्यिक बोध विकसित करने में भी सक्षम होंगे।
कुल क्रेडिट घंटे	60

1.पाठ्यचर्या का नाम : हिंदी साहित्य का इतिहास 1
2.पाठ्यचर्या कोड – MHS102
3.क्रेडिट : 4
4.सेमेस्टर : प्रथम
5.पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course) **:** प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी साहित्य के इतिहास की समझ विकसित करने के साथ हिंदी साहित्य के इतिहास में चले आ रहे परिवर्तनों को दर्शाते हुए उनमें व्यापक इतिहास बोध भी विकसित करना है I इसके साथ ही प्राचीन से उत्तर मध्यकाल (आदिकाल से रीतिकाल) तक के जिस साहित्य का इस पाठ्यचर्या के माध्यम से अध्ययन किया जा रहा है, उससे विद्यार्थी व्यापकता के साथ परिचित हो सकेंगे।
6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

ज्ञान संबंधी	• विद्यार्थी हिंदी साहित्य के इतिहास के विभिन्न कालखंडों और उनकी प्रवृत्तियों से परिचित होंगे। • विद्यार्थी इसके माध्यम से आदिकाल से रीतिकाल तक के साहित्यकारों की साहित्यिक यात्रा का परिचय पा सकेंगे। • विद्यार्थी साहित्यकारों के रचनात्मक अवदान से परिचित होते हुए अपने ज्ञान का विस्तार भी करेंगे। • इस पाठ्यचर्या के अध्ययन से विद्याथियों में साहित्य को समझने का एक व्यापक बोध विकसित होगा।
कौशल / दक्षता संबंधी	• हिंदी साहित्य का इतिहास 1 पाठ्यचर्या के अध्ययन से विद्यार्थियों में इतिहास और मूल साहित्य को समझने हेतु एक समझ विकसित होगी जिससे उनमें बहुमुखी प्रतिभा का विकास होगा।
रोजगार संबंधी	• प्रतियोगी परीक्षाओं में हिंदी साहित्य के इतिहास से अनगिनत सवाल पूछे जाते हैं, इसलिए इस पाठ्यचर्या के अध्ययन से रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों में विद्यार्थियों को सहायता मिलेगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**साहित्य की इतिहास दृष्टि** 1. साहित्य की इतिहास- दृष्टि और हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन 2.हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएं 3.हिंदी साहित्य का इतिहास : काल-विभाजन, सीमा-निर्धारण और नामकरण 4. आदिकालीन हिंदी साहित्यः आधार-सामग्री, साहित्यिकता, प्रामाणिकता और काव्यभाषा संबंधी प्रश्न।	12	03	....	15	25%
मॉड्यूल-2	1.आदिकालीन साहित्य की परिस्थितियाँ और प्रमुख प्रवृत्तियाँ। 2.प्रमुख कविः सरहपा, स्वयम्भू, चन्दबरदाई, नरपति नाल्ह, गोरखनाथ, अमीर खुसरो और विद्यापति 3.भक्ति आन्दोलन: उदय के कारण ,अखिल भारतीय प्रसार और अन्तः प्रादेशिक वैशिष्ट्य 4. संत काव्य: वैचारिक आधार , भारतीय धर्म साधना और हिंदी संत काव्य, संत काव्य की विशेषताएं प्रमुख कवि- कबीर ,दादू ,नानक ,रैदास	12	03	....	15	25%
मॉड्यूल-3	1.सूफी काव्य वैचारिक आधार, सूफी प्रेमाख्यानों का स्वरूप, काव्य-रूढ़ियाँ ,प्रमुख कवि: मुल्ला दाऊद, कुतुबन, मंझन, जायसी 2.सगुणभक्ति के दार्शनिक आधार और विविध संप्रदाय, मधुरोपासना 3.हिंदी के प्रमुख कृष्ण भक्त कवि: सूरदास , मीराबाई , रसखान 4.राम भक्ति काव्य और तुलसीदास	12	03	....	15	25%

मॉड्यूल-4	1.दरबारी संस्कृति और रीतिकाल 2.रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ 3.प्रमुख धारा- रीतिबद्ध , रीतिसिद्ध , रीतिमुक्त 4.प्रमुख कवि- केशवदास,देव,बिहारी,सेनापति,पद्माकर,भूषण, घनानन्द,ठाकुर,गुरु गोविन्द सिंह	12	03	....	15	25%
योग		**48**	**12**	**.......**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान : (Approaches, Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, लोक प्रस्तुति
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण,दृश्य श्रव्य माध्यम
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , दृश्य श्रव्य माध्यम इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources) :

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)

1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. मिश्र विश्वनाथ प्रसाद, हिन्दी साहित्य का अतीत ;02 खंड, नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन 2. शुक्ल रामचन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, काशी, नागरी प्रचारिणी सभा 3. द्विवेदी हजारीप्रसाद, हिन्दी साहित्य की भूमिका, नयी दिल्ली, राजकमल प्रकाशन 4. नगेन्द्र (सं), हिन्दी साहित्य का इतिहास, नोएडा, मयूर पेपरबैक्स 5. द्विवेदी हजारीप्रसाद, हिन्दी साहित्यः उद्भव और विकास, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. शर्मा रामविलास, भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ, नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन 2. पाण्डेय मैनेजर, साहित्य और इतिहास-दृष्टि, नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन 3. शर्मा नलिन विलोचन, साहित्य का इतिहास-दर्शन, पटना, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् 4. त्रिपाठी विश्वनाथ, हिन्दी आलोचना, नयी दिल्ली, राजकमल प्रकाशन 5. द्विवेदी हजारीप्रसाद, हिन्दी साहित्य का आदिकाल, पटना, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् 06. वर्मा रामकुमार, हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन 07. वार्ष्णेय लक्ष्मीसागर, हिन्दी साहित्य का इतिहास, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन 08. चतुर्वेदी रामस्वरूप, हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, इलाहाबाद,लोकभारती प्रकाशन 09. स्नातक विजयेन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नयी दिल्ली, साहित्य अकादमी 10. सिंह बच्चन, हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, नयी दिल्ली/राधाकृष्ण प्रकाशन 11. हिन्दी साहित्य का बृहद् इतिहास ;16 खंड, काशी, काशी नागरी प्रचारिणी सभा
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन वीडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for theCourse

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16+4=20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	--
कौशल विकास गतिविधियाँ	इसके अंतर्गत कथाकारों-उपन्यासकारों के साथ विद्यार्थियों की बातचीत आयोजित करके कथा-रचना की प्रक्रियाओं के विविध पहलुओं पर विद्यार्थियों में कौशल का विकास किया जा सकेगा। इससे उनकी सृजनधर्मिता भी बढ़ेगी।
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. **पाठ्यचर्या का नाम**(Name of the Course)**: हिंदी कथा साहित्य**
2. **पाठ्यचर्या का कोड**(Code of the Course): MHS103
3. **क्रेडिट(Credit): 4**
4. **सेमेस्टर(Semester): प्रथम**

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य हिंदी कहानी और उपन्यास साहित्य की विकास यात्रा को संपूर्णता में जानना-समझना है। चयनित कहानियों और उपन्यासों के माध्यम से विद्यार्थियों में भारतीय समाज के यथार्थ व यहाँ की सांस्कृतिक विविधता से भी परिचित कराना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes) :

ज्ञान संबंधी	विद्यार्थी हिंदी कहानी और उपन्यास साहित्य की विकास यात्रा से परिचित होंगे। इसके साथ ही हिंदी कथा साहित्य में चित्रित सामाजिक यथार्थ और भारतीय संस्कृति के वैविध्य को भी विद्यार्थी गहनता से समझ पाएंगे।
कौशल/दक्षता संबंधी	हिंदी कथा साहित्य की संवेदना और उसके शिल्प पक्ष को जानने-समझने से विद्यार्थियों में साहित्य के माध्यम से भारतीय समाज, राजनीति एवं संस्कृति के प्रति समझ समृद्ध होगी। इससे उनका कौशल निखरेगा तथा उनकी सृजनात्मक क्षमता भी बढ़ेगी।
रोजगार संबंधी	अकादमिक जगत के अलावा फिल्म व टेलीविज़न में कथा, पटकथा एवं संवाद लेखन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
माड्यूल -1	**हिंदी कहानी की विकास यात्रा** ● प्रेमचंद पूर्व कहानी	**10**	**4**	**1**	**15**	25%

	• प्रेमचंदोत्तर कहानी • नई कहानी • समकालीन कहानी					
माड्यूल - 2	**चयनित कहानियों का अध्ययन** • चंद्रधर शर्मा गुलेरी : उसने कहा था • प्रेमचंद : दूध का दाम • जयशंकर प्रसाद : गुंडा • फणीश्वरनाथ रेणु : रसप्रिया • भीष्म साहनी : अमृतसर आ गया है • मन्नू भण्डारी : मैं हार गई • ओमप्रकाश वाल्मीकि : अम्मा • वाल्टर भेंगरा 'तरुण' : खखरा	**10**	**4**	**1**	**15**	25%
माड्यूल - 3	**हिंदी उपन्यास की विकास यात्रा** • प्रेमचंद पूर्व उपन्यास • प्रेमचंदोत्तर उपन्यास • साठोत्तरी उपन्यास • समकालीन उपन्यास	**10**	**4**	**1**	**15**	25%
माड्यूल -4	**चयनित उपन्यासों का अध्ययन** • प्रेमचंद : गोदान • फणीश्वरनाथ रेणु : मैला आँचल • श्रीलाल शुक्ल : राग दरबारी	**10**	**4**	**1**	**15**	25%
योग		**40**	**16**	**4**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान : (Approaches, Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, लोक प्रस्तुति
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण,दृश्य श्रव्य माध्यम
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , दृश्य श्रव्य माध्यम इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	**चयनित कहानियाँ-** • चंद्रधर शर्मा गुलेरी : उसने कहा था • प्रेमचंद : दूध का दाम • जयशंकर प्रसाद : गुंडा • फणीश्वरनाथ रेणु : रसप्रिया • भीष्म साहनी : अमृतसर आ गया है • मन्नू भण्डारी : मैं हार गई • ओमप्रकाश वाल्मीकि : अम्मा • वाल्टर भेंगरा 'तरुण' : खखरा **चयनित उपन्यास-** • प्रेमचंद : गोदान • फणीश्वरनाथ रेणु : मैला आँचल • श्रीलाल शुक्ल : राग दरबारी

2	संदर्भ-ग्रंथ	1. सिंह, विजय मोहन. (1983). कथा समय. नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन. 2. मधुरेश, (1998). हिंदी उपन्यास का विकास. इलाहाबाद : सुमित प्रकाशन 3. मधुरेश, (1999). नई कहानी : पुनर्विचार. नई दिल्ली : नेशनल पब्लिशिंग हाउस 4. मधुरेश. (2018). हिन्दी कहानी का विकास. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन 5. सिंह, नामवर. (1982). कहानी नई कहानी. नई दिल्ली : लोकभारती प्रकाशन, 6. यादव, राजेंद्र. (2000). नई कहानी : संवेदना और स्वरूप. नई दिल्ली : नेशनल पब्लिशिंग हाउस 7. धनंजय, (सं), (1970). समकालीन कहानी, दिशा और दृष्टि. इलाहाबाद: अभिव्यक्ति प्रकाशन 8. सिंह, विजय मोहन. (1983). आज की हिन्दी कहानी. नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन, 9. ठाकुर, देवेश. (2001). मैला आँचल की रचना प्रक्रिया. नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन. 10. त्रिपाठी, विश्वनाथ. (1988). कुछ कहानियाँ : कुछ विचार. नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन. 11. राय, गोपाल. (2000). गोदान : नया परिप्रेक्ष्य. पटना : अनुपम प्रकाशन 12. राय, गोपाल. उपन्यास का शिल्प. 13. राय, गोपाल. (2006). उपन्यास की संरचना. नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन 14. शर्मा, रामविलास. (1989). प्रेमचंद और उनका युग. नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन 15. चतुर्वेदी, रामस्वरूप. (2018). हिन्दी गद्य विन्यास और विकास. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन 16. श्रीवास्तव, परमानंद. (1976). उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा. नई दिल्ली : नेशनल पब्लिशिंग हाउस
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी. पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन वीडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

घटक	घंटे
घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12+8=20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	--
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढांचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम**(Nameof the Course) :**हिंदी नाट्य साहित्य**
2. **पाठ्यचर्या का कोड**(Codeof the MA Course) :**MHS104**
3. **क्रेडिट**(Credit) : **4**
4. **सेमेस्टर**(Semester) :**प्रथम**

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :प्रस्तुत पाठ्यचर्या से विद्यार्थी हिंदी नाट्य परंपरा का सम्यक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। नाटक के स्वरूपगत वैशिष्ट्य से परिचित होंगे और हिंदी नाट्य परंपरा के काल क्रमिक परिवर्तनों को समझ सकेंगे।

6. अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes) :

ज्ञान संबंधी	नाटक एवं रंगमंचीय ज्ञान में अभिवृद्धि होगी।
कौशल/दक्षता संबंधी	विद्यार्थी हिंदी नाट्य साहित्य के अध्ययन के उपरांत नाट्य विश्लेषण एवं अभिनय की क्षमता विकसित कर सकेगा।
रोजगार संबंधी	भारतीय रंगमंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज करते हुए अध्यापन के साथ नाट्य लेखन एवं पटकथा लेखन में भी रोजगार के अवसर तलाश सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course**)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश** (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल -1	**हिंदी नाट्य परंपरा** ● हिंदी नाटक उद्भव और विकास ● हिंदी रंग मंच का उद्भव और विकास ● नाट्य के भेद ● नाटक के तत्व ● रंग भाषा	**8**	**2**	**2**	**12**	**20%**
मॉड्यूल -2	**अंधेर नगरी** ● भारतेन्दु युग और नाटक ● प्रहसन का विश्लेषण ● अंधेर नगरी समसामयिक परिप्रेक्ष्य ● अंधेर नगरी की भाषा ● अंधेर नगरी का पाठ विश्लेषण	**8**	**2**	**2**	**12**	**20%**
मॉड्यूल -3	**स्कन्दगुप्त**	**8**	**3**	**1**	**12**	**20%**

	• जयशंकर प्रसाद और उनके नाटक • प्रसाद के नाटकों की ऐतिहासिकता • स्कन्दगुप्त का आधुनिक संदर्भ • स्कन्दगुप्त की रंगमंचीयता • स्कन्दगुप्त की भाषा • स्कन्दगुप्त का पाठ विश्लेषण					
मॉड्यूल -4	**आषाढ़ का एक दिन** • मोहन राकेश और उनके नाटक • आषाढ़ का एक दिन की कथा वस्तु का विवेचन • आषाढ़ का एक दिन के पात्रों का मनोविश्लेषण • आषाढ़ का एक दिन की रंगमंचीयता • आषाढ़ का एक दिन की भाषा • आषाढ़ का एक दिन का पाठ विश्लेषण	**8**	**2**	**2**	**12**	**20%**
मॉड्यूल -5	**माधवी** • माधवी की पौराणिकता • माधवी की कथा वस्तु का विश्लेषण • भारतीय समाज में स्त्री की स्थिति और माधवी • माधवी का स्त्रीवादी पाठ	**8**	**2**	**2**	**12**	**20%**
योग		**40**	**11**	**9**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान : (Approaches, Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, लोक प्रस्तुति
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण,दृश्य श्रव्य माध्यम
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , दृश्य श्रव्य माध्यम इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8

पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण(APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	भारतेंदु हरिश्चंद्र, अंधेर नगरी जयशंकर प्रसाद, स्कन्दगुप्त मोहन राकेश, आषाढ़ का एक दिन साहनी, भीष्म माधवी
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. द्विवेदी,हजारी प्रसाद. नाट्य शास्त्र की भारतीय परम्परा और दशरूपक, नयी दिल्ली, राजकमल प्रकाशन, 2. ब्रैंडर मैथ्यूज नाटक साहित्य का अध्ययन/ (अनु. इन्दुजा अवस्थी) नयी दिल्ली आत्माराम एंड संस, 3. द्विवेदी, रेवाप्रसाद नाट्यशास्त्र/ /भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला 4. कुमार, सिद्धनाथ. प्रसाद के नाटक/ /अनुपम प्रकाशन, पटना 5. दीक्षित सुरेन्द्रनाथ, भरत एवं भारतीय नाट्य कला, नयी दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास, 6. बरलिंगे, सुरेन्द्र. भारतीय सौन्दर्य सिद्धान्त की नई परिभाषा/नयी दिल्ली,भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली 7. जैन, नेमिचन्द्र. रंगदर्शन,नयी दिल्ली ,राधाकृष्ण प्रकाशन 8. जैन, नेमिचन्द्र. रंग परम्परा, नयी दिल्ली, वाणी प्रकाशन. 9 रस्तोगी, गिरीश. रंगभाषा, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, 10. कीथ, ए.बी. संस्कृत नाटक, नयी दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास, 11.आचार्य विश्वेश्वर हिन्दी अभिनव भारती,नयी दिल्ली,हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दि.वि.वि. 12. अवस्थी,सुरेश, हे सामाजिक, नयी दिल्ली, राजकमल प्रकाशन
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन वीडियो एवं व्याख्यान इत्यादि

4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढांचा

Template for the Course

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	45
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	09+06=15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विधार्थियों में कविता के प्रति रूचि उत्पन्न कराने के साथ कविता के वाचन का कौशल भी कैसे विकसित हो इसपर भी बल दिया जायेगा , जिससे एक तरफ तो विद्यार्थिओं का कौशलगत विकास होगा तो वहीँ दूसरी तरफ उनमेंकविता लिखने की शैली भी विकसित होगी
कुल क्रेडिटघंटे	60

1. पाठ्यचर्या का नाम : आधुनिक हिंदी कविता 1

2.पाठ्यचर्या का कोड– MHS201

3.क्रेडिट : 4

4.सेमेस्टर : द्वितीय

5.पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course)**:**प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्यविद्यार्थियों को आधुनिक हिंदी कविता की पृष्ठभूमि समझाते हुएआधुनिक हिंदी कविता के मूल पाठ से परिचय करवाना है ताकि आधुनिक हिंदी कविता की विषयवस्तु में आ रहे परिवर्तनों के साथ महत्वपूर्ण कवियों की काव्य यात्रा तथा कवियों की संवेदनात्मक और शिल्पगत विशेषताओं से विद्यार्थी भली-भांति परिचित हो सकें।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes)**:**

ज्ञान संबंधी	• आधुनिक हिंदी कविता 1 पाठ्यचर्यामें चयनित कविताओं के आधार पर विद्यार्थियों में यह समझ विकसित होगी कि पूर्ववर्ती काव्य परम्परा से आधुनिक काव्य परम्परा किन रूपों में भिन्न है • आधुनिक हिंदी कविता 1 पाठ्यचर्याके अध्ययन से विद्यार्थी आधुनिक युग मेंपरिवर्तित हो रही कविताओं में संवेदनात्मक और शिल्पगत परिवर्तन के विविध रूपों का परिचय प्राप्त करेंगे • औपनिवेशिक भावबोध से आधुनिक हिंदी कविता कैसे प्रभावित हो रही थी इससे भी विद्यार्थी परिचित होंगे
कौशल / दक्षता संबंधी	• आधुनिक हिंदी कविता 1 के अध्ययन से विद्यार्थी आधुनिक युग में परिवर्तित हो रही कविताओं के संवेदनात्मक और शिल्पगत विशेषताओं से परिचय प्राप्त करते हुए उसके पाठ से संबंधित बुनियादी कौशल विकसित करने में सफल होंगे
रोजगार संबंधी	• इस पाठ्यचर्या के अध्ययन से रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों में विद्यार्थिओं को सहायता मिलेगी

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***				**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**	**कुल**	

			हैं)	(Interaction/ Training/ Laboratory)	**घंटे**	(Percentage share to the Course)
मॉड्यूल-1	**आधुनिक हिंदी कविता** **1.भारतेंदु हरिश्चंद** दशरथ विलाप, बसंत **2.मैथलीशरण गुप्त** साकेत- नवम सर्ग	15	03	02	20	33.3%
मॉड्यूल-2	**आधुनिक हिंदी कविता** **3.जयशंकर प्रसाद** कामायनी- चिन्ता और श्रध्दा सर्ग 4.**सूर्यकांत त्रिपाठी निराला** राम की शक्तिपूजा	15	03	02	20	33.3%
मॉड्यूल-3	**आधुनिक हिंदी कविता** **5. सुमित्रानंदन पंत** नौका विहार ,मौन निमंत्रण **6. महादेवी वर्मा** मधुर-मधुर मेरे दीपक जल जाग तुझको दूर जाना मैं नीर भरी दुख की बदली	15	03	02	20	33.3%
योग		**45**	**09**	**06**	**60**	

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान : (Approaches, Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, लोक प्रस्तुति
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण,दृश्य श्रव्य माध्यम
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , दृश्य श्रव्य माध्यम इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. जयशंकर प्रसाद , कामायनी ,नयी दिल्ली, राजकमल प्रकाशन 2. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, अनामिका ,नयी दिल्ली, राजकमल प्रकाशन 3. महादेवी वर्मा नीरजा , नयी दिल्ली, भारतीय ज्ञानपीठ 4. महादेवी वर्मा ,निहार ,नयी दिल्ली,भारतीय ज्ञानपीठ 5. महादेवी वर्मा, सांध्यगीत ,नयी दिल्ली, भारतीय ज्ञानपीठ 6. सुमित्रानंदन पंत, तारापथ , नयी दिल्ली, भारतीय ज्ञानपीठ 7. मैथलीशरण गुप्त, साकेत , नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. निर्मला जैन, आधुनिक साहित्य: मूल्य और मूल्यांकन/नयी दिल्ली, राजकमल प्रकाशन 2. नन्ददुलारे वाजपेयी/ कवि निराला/नयी दिल्ली,मैकमिलन 3.अशोक वाजपेयी, कवि कह गया है/नयी दिल्ली, भारतीय ज्ञानपीठ 4. नामवर सिंह, कविता के नये प्रतिमान/नयी दिल्ली, रामकमल प्रकाशन 5.कविता से साक्षात्कार/मलयज/हापुड़,सम्भावना प्रकाशन 06. नगेन्द्र, कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ/नई दिल्ली/नेशनल पब्लिशिंग हाउस 07.गजाननमाधव मुक्तिबोध, कामायनी: एक पुनर्विचार/नई दिल्ली राजकमल प्रकाशन 08. रामस्वरूप चतुर्वेदी, कामायनी का पुनर्मूल्यांकन /इलाहाबाद/ लोकभारती प्रकाशन 09. रमेशचन्द्र शाह, छायावाद की प्रासंगिकता/ बीकानेर, वाग्देवी प्रकाशन 10. प्रभाकर श्रोत्रिय, जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता/ नई दिल्ली/ भारतीय ज्ञानपीठ 11.नन्ददुलारे वाजपेयी, जयशंकर प्रसाद /जबलपुर, कमल प्रकाशन 12. रामविलास शर्मा, निराला की साहित्य साधना/ नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन 13.सं. परमानन्द श्रीवास्तव, निराला की कविताएँ/ इलाहाबाद, नीलाभ प्रकाशन 14. प्रेमशंकर, प्रसाद का काव्य/ नई दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन 15. विजय बहादुर सिंह, प्रसाद, पन्त, निराला/ नई दिल्ली, / स्वराज प्रकाशन 16. विजय बहादुर सिंह,महादेवी के काव्य का नेपथ्य/ नई दिल्ली, किताबघर 17. नन्ददुलारे वाजपेयी, हिन्दी साहित्यः बीसवीं शताब्दी/ इलाहाबाद, /लोकभारती प्रकाशन
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढांचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइनव्याख्यान	47
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	13
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	---
कौशल विकास गतिविधियाँ	---
कुल क्रेडिटघंटे	60

1. **पाठ्यचर्या का नाम (Name of the Course):हिंदी साहित्य का इतिहास-2**
2. **पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course):MHS202**
3. **क्रेडिट(Credit): 4**
4. **सेमेस्टर(Semester): द्वितीय**
5. **पाठ्यचर्या विवरण(**Description of Course)**:**इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य विद्यार्थी को आधुनिक हिंदी साहित्य की परम्परा के साथ प्रमुख रचनाकारों के महत्त्व और उनके साहित्यिक योगदान की जानकारी देना है।
6. **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):**

ज्ञान संबंधी	• आधुनिक हिंदी साहित्य के इतिहास और परम्परा से विद्यार्थी परिचित होगा।
कौशल / दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी के ज्ञान का विस्तार होगा और साहित्य की समझ बेहतर होगी।
रोजगार संबंधी	• साहित्य लेखन अध्यापन तथा अन्य रोजगार के क्षेत्र में सहायता मिलेगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश** (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	आधुनिक काल 1.सामान्य परिचय **2**. राजनीतिक, सामजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि 3. हिंदी नवजागरण	**04**	01	**-----**	**05**	**8.3%**
मॉड्यूल-2	गद्य का विकास 1. प्रमुख संस्थाओं का योगदान 2. पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका 3. प्रमुख गद्य विधाएँ नाटक उपन्यास निबंध कहानी आलोचना	**10**	02	**----**	**12**	**20%**
मॉड्यूल-3	स्वतंत्रता पूर्व आधुनिक काल की विभिन्न काव्य धाराएँ और प्रमुख प्रवित्तियां 1.भारतेंदु युग	**15**	05	**-----**	20	33.3%

	2.द्विवेदी युग 3.छायावाद 4.प्रगतिवाद 5.प्रयोगवाद					
मॉड्यूल-4	स्वातंत्र्योत्तर काव्य की धाराएँ और प्रमुख प्रवित्तियां 1.नई कविता 2.साठोत्तरी कविता 3.हिंदी कविता का वर्तमान	**10**	03	**----**	13	21,7**%**
मॉड्यूल-5	नव सामाजिक विमर्श 1. स्त्री विमर्श 2. दलित विमर्श 3. आदिवासी विमर्श	08	02	**----**	**10**	**16.7%**
योग		**47**	**13**	**----**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान : (Approaches, Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, लोक प्रस्तुति
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण,दृश्य श्रव्य माध्यम
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , दृश्य श्रव्य माध्यम इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Textbooks/Reference/Resources) :

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.शुक्ल, रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतहास, वाराणसी, नागरी प्रचारणी सभा. 2. डॉ., नगेन्द्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, नोएडा, मयूर पेपर बैक्स.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1.द्विवेदी आचार्य, हजारीप्रसाद,हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास,प्रकाशन. नई दिल्ली, राजकमल 2. द्विवेदी आचार्य, हजारीप्रसाद,हिंदी साहित्य की भूमिका,प्रकाशन. नई दिल्ली, राजकमल 2. द्विवेदी आचार्य, हजारीप्रसाद,हिंदी साहित्य का आदिकाल,प्रकाशन. नई दिल्ली, राजकमल 3.चतुर्वेदी, रामस्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, इलाहबाद, लोकभारती प्रकाशन. 4. वर्मा, रामकुमार, हिंदी साहित्य का आलोचनातमक इतिहास, इलाहबाद, रामनारायण लाल प्रकाशन. 5. डॉ., नगेन्द्र. रीति काव्य की भूमिका, नोएडा, मयूर पेपर बैक्स. 6. के. दामोदरन(सं.), भारतीय चिंतन परम्परा, नई दिल्ली, पीपुल्स पब्लिसिंग हाउस. 7. चव्यहाण, डॉ. अर्जुन, विमर्श के विविध आयाम, नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन.
3	ई-संसाधन	**1. www.wikipedia.org** **2. www.egyankosh.ac.in** **3. www.youtube.com** **4. https://epgp.inflibnet.ac.in/**
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढांचा

Template for the Course

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**12**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	--
कौशल विकास गतिविधियाँ	इसके अंतर्गत कथेतर साहित्य की विभिन्न रचनाओं में चित्रित मानवीय व सामाजिक संवेदना के मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय और भाषा वैज्ञानिक अध्ययन की समझ और उसका कौशल विद्यार्थियों के अंदर विकसित किया जाएगा।
कुल क्रेडिटघंटे	**60**

1. **पाठ्यचर्याका नाम**(Nameof the Course)**:कथेतर साहित्य**
2. **पाठ्यचर्याकाकोड**(Codeof the Course):**MHS203**
3. **क्रेडिट(Credit): 4**
4. **सेमेस्टर(Semester):द्वितीय**

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course) :प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्यकथेतर साहित्य के अंतर्गत आने वाली सभी विधाओं की जानकारी हासिल करना और उन विधाओं में लिखी हुए रचनाओं के माध्यम से मानव चरित्र, समाज और देश की संवेदना को जानना-समझना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes) :

ज्ञान संबंधी	विद्यार्थी कथेतर साहित्य की सभी विधाओं की संवेदना और उसके शिल्प को गहराई से समझ पाएंगे। इसके साथ ही वे हिंदी कथेतर साहित्य में चित्रित सामाजिक एवं मानवीय पहलुओं से भी परिचित हो पाएंगे।
कौशल/दक्षता संबंधी	हिंदी कथेतर साहित्य के सृजन वैविध्य के माध्यम से विद्यार्थियों में मानवीय जीवन मूल्यों, पर्यावरण एवं सामाजिकता के प्रति सजगता आएगी। इससे वे देश के जिम्मेदार नागरिक बनेंगे और उनकी सृजनात्मक प्रतिभा भी निखरेगी।
रोजगार संबंधी	अकादमिक जगत के अलावा फिल्म व टेलीविज़न में कथा, पटकथा एवं संवाद लेखन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse) **:**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..** (Interaction/ Training/		

				Laboratory)		
माड्यूल-1	**निबंध : परिभाषा, स्वरूपएवं वैविध्य चयनित निबंध-** • रामचंद्र शुक्ल:भाव या मनोविकार • सरदार पूर्ण सिंह: मजदूरी और प्रेम • हरिशंकर परसाई: पगडंडियों का ज़माना	**8**	2	**--**	**10**	**16.66%**
माड्यूल-2	**जीवनी-** • परिभाषा • स्वरूप • वैशिष्ट्य • हिन्दी की प्रमुख जीवनियाँ एवं उनके लेखक	**8**	**2**	**--**	**10**	**16.66%**
माड्यूल-3	**आत्मकथा-** • परिभाषा • स्वरूप • वैशिष्ट्य • हिन्दी की प्रमुख आत्मकथाओं एवं उनके लेखकों का परिचय	**8**	**2**	**--**	**10**	**16.66%**
माड्यूल-4	**यात्रा वृतांत-** • परिभाषा • स्वरूप • वैशिष्ट्य	8	**2**	--		**16.66%**

	• हिन्दी के प्रमुख यात्रा वृतांत एवं उनके लेखकों का परिचय					
माड्यूल-5	**संस्मरण-** • परिभाषा • स्वरूप • वैशिष्ट्य • हिन्दी के प्रमुख संस्मरण एवं उनके रचनाकारों का परिचय		**2**	--	**10**	**16.66%**
माड्यूल–6	कथेतर साहित्य की अन्य विधाएँ(डायरी, रेखाचित्र, रिपोर्ताज़ एवं पत्र साहित्य)एवं उनके लेखक	**8**	**2**	**--**	**10**	**16.66%**
योग		**48**	**12**	**00**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान : (Approaches, Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, लोक प्रस्तुति
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण,दृश्य श्रव्य माध्यम
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , दृश्य श्रव्य माध्यम इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	**चयनित निबंध-** ● रामचंद्र शुक्ल: भाव या मनोविकार ● सरदार पूर्ण सिंह: मजदूरी और प्रेम ● हरिशंकर परसाई: पगडंडियों का ज़माना **कथेतर साहित्य की सभी विधाओं की प्रमुख रचनाएँ-**
2	संदर्भ-ग्रंथ	1.बरसैया, गंगा प्रसाद गुप्त. (1971). हिन्दी साहित्य में निबंध और निबंधकार. इलाहाबाद : रचना प्रकाशन 2.डॉ. बाबूराम. (2002). हिन्दी निबंध का सांस्कृतिक अध्ययन, डॉ. बाबुराम. नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन 3.डॉ. हरिमोहन. (1988). हिन्दी निबंध के आधार स्तम्भ. नई दिल्ली : तक्षशिला प्रकाशन 4.तिवारी, (डॉ) रामचंद्र. (2014). हिंदी गद्य-साहित्य. वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन 5.चतुर्वेदी, रामस्वरूप. (1996). हिन्दी का गद्य : विन्यास और विकास. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन 6.प्रकाश, अरुण. (2012). गद्य की पहचान. नई दिल्ली : अंतिका प्रकाशन 7.तिवारी, विश्व मोहन. (2013). हिंदी का यात्रा-साहित्य : एक विहंगम दृष्टि. दिल्ली : आलेख प्रकाशन 8.माथुर, डॉ. सुरेन्द्र. (1962). यात्रा साहित्य का उद्भव और विकास. दिल्ली : साहित्य प्रकाशन 9.शर्मा, मुरारीलाल. (2003). हिन्दी यात्रा-साहित्य : स्वरूप और विकास. नई दिल्ली : क्लासिक पब्लिशिंग कंपनी 10.सिंह, कृपाशंकर. (1964). हिन्दी रेखाचित्र : उद्भव और विकास. आगरा : विनोद पुस्तक भंडार 11.शर्मा, डॉ. मक्खनलाल. हिन्दी रेखाचित्र : सिद्धान्त और विकास. आगरा : शब्द और शब्द 12.खन्ना, डॉ. शांति. (1973). आधुनिक हिन्दी का जीवनीपरक साहित्य. दिल्ली : सन्मार्ग प्रकाशन 13.दास, डॉ. भगवान. (1978). हिन्दी का जीवनी साहित्य : सिद्धान्त और अध्ययन. इलाहाबाद : मोतीलाल नेहरू 14.सिंह, कमलेश. (1989). हिन्दी आत्मकथा : स्वरूप एवं साहित्य. नई दिल्ली : नेशनल पब्लिशिंग

		हाउस 15.भाटिया, कैलाश चन्द्र. (1996). साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएँ. नई दिल्ली : तक्षशिला प्रकाशन 16.विद्यालंकार, डॉ. विश्वबंधु शास्त्री. (1984). हिन्दी का आत्मकथा साहित्य. दिल्ली : राधा प्रकाशन 17.माजदा असद (सं.), (1991). गद्य की नई विधाओं का विकास. दिल्ली : ग्रंथ अकादमी. 18.छाबड़ा, मनोज. (2019). हिन्दी डायरी अर्थ उद्भव और विकास. जयपुर : बोधि प्रकाशन 19.तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद. (1968). छायावादोत्तर हिन्दी गद्य साहित्य. वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन 20.दिनकर, रामधारी सिंह. (2019). संस्मरण और श्रद्धांजलियाँ. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन 21.वर्मा, महादेवी. (2002). अतीत के चलचित्र. नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी.पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12+8=20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	--
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढांचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम**(Name of the Course)**:भारतीय काव्यशास्त्र**
2. **पाठ्यचर्या का कोड** (Code of the Course)**:MHS204**
3. **क्रेडिट** (Credit): **4**
4. **सेमेस्टर**(Semester): द्वितीय
5. **पाठ्यचर्या विवरण** (Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्यभारतीयकाव्यशास्त्र का परिचय स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों कीभारतीयकाव्यशास्त्रमें रूचि जागृत करना एवं उसका सम्यक ज्ञान प्रदान करना है। इस अध्ययन से विद्यार्थी भारतीय साहित्य की निर्माण प्रक्रिया एवं उसकी आस्वाद प्रक्रिया से परिचित होंगे.

6.अपेक्षित अधिगम परिणामCLOs(Course Learning Outcomes) :

ज्ञान संबंधी	विद्यार्थी साहित्य की शास्त्रीय परम्परा का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे और साहित्य के स्वरूपगत काल क्रमिक परिवर्तन से परिचित होंगे।
कौशल/दक्षता संबंधी	भारतीय काव्यशास्त्र की समझ से साहित्य के विश्लेषण की समझ विकसित होगी ।
रोजगार संबंधी	काव्यशास्त्र के अध्यापन एवं साहित्य लेखन में इसकी विशिष्ट भूमिका होगी।

7. **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु** (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश **(Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. **(Interaction/ Training/ Laboratory)**		
माड्यूल -1	भारतीय काव्य चिन्तन परंपरा का ऐतिहासिक विकास भारतीय काव्य चिन्तन के प्रमुख अवधारणात्मक पद – काव्यलक्षण काव्य का स्वरूप काव्य के तत्व काव्य सृजन पक्रिया, काव्य हेतु काव्य प्रयोजन काव्य भेद कवि समय	8	2	2	12	
माड्यूल **-2**	**रस सिद्धांत** रस की अवधारणा रस निष्पत्ति रस सूत्र के व्याख्याकार रसानुभूति की प्रक्रिया साधारणीकरण	8	2	2	12	
माड्यूल**-3**	**अलंकार सिद्धांत**	9	3	2	14	

	अलंकार सिद्धांत और उसकी अवधारणा अलंकार और अलंकार्य अलंकारों का वर्गीकरण **रीति सिद्धांत** रीति की अवधारणा रीति के भेद रीति और गुण रीति और दोष					
माड्यूल-**4**	**ध्वनि सिद्धांत** ध्वनि की अवधारणा शब्द शक्तियां स्फोटवाद ध्वनि का वर्गीकरण	6	2	1	09	
माड्यूल -5	**वक्रोक्ति सिद्धांत** वक्रोक्ति की अवधारणा वक्रोक्ति का वर्गी करण वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजना वक्रोक्ति का महत्त्व **औचित्य सिद्धांत** औचित्य की अवधारणा औचित्य के भेद औचित्य का महत्व	9	3	1	13	
योग		40	12	8	60	

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान : (Approaches, Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, लोक प्रस्तुति
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण,दृश्य श्रव्य माध्यम
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , दृश्य श्रव्य माध्यम इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.**अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ**(Textbooks /Reference/ Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (**APA** प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. उपाध्याय बलदेव भारतीय साहित्यशास्त्र/ /वाराणसी 2. चौधरी सत्यदेव भारतीय काव्यशास्त्र,नयी दिल्ली अलंकार प्रकाशन, 3. त्रिपाठी राधावल्लभ भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य परम्परा/ / वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन,
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Bhoja's Sringara Prakash /V. Raghara/, Adyar, Library, Madras 2. Pandey K.C. Comparative Aesthetics (Vol. I&II) Varanasi, Chowkhamba, 3. आचार्य विश्वेश्वर, काव्यप्रकाश वाराणसी, ज्ञानमंडल लिमिटेड, 4. एस.के.डे.संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास (दो भागद्ध / बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना) 5. काणे पी.वी. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास, नयी दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास, 6. केलकर, अशोक रा. प्राचीन भारतीय साहित्य मीमांसा- एक आकलन / / नयी दिल्ली राजकमल प्रकाशन, 7. जैन, निर्मला. रस सिद्धान्त और सौन्दर्यशास्त्र, नयी दिल्ली, वाणी प्रकाशन, 8. त्रिपाठी, राधावल्लभ भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य परम्परा/ / वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन, 9. त्रिपाठी. राममूर्ति. भारतीय काव्य विमर्श,वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली 10. दीक्षित, सुरेन्द्रनाथ. भरत एवं भारतीय नाट्यकला, नयी दिल्ली मोतीलाल बनारसीदास, 11. देशपांडे, गणेश त्र्यम्बक भारतीय साहित्यशास्त्र,मुम्बई, पापुलर बुक डिपो, 12. नगेन्द्र, रस सिद्धान्त, नयी दिल्ली, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 13. बारलिंगे सुरेन्द्र एस. भारतीय सौन्दर्य सिद्धान्त की नयी परिभाषा /भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली 14. मिश्र, विद्यानिवास सहृदय, नयी दिल्ली साहित्य अकादेमी, 15. राघवन, वी. रसों की संख्या, वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन, 16. शर्मा आचार्य देवेन्द्रनाथ काव्यालंकार / /बिहार, राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना 17. शुक्ल, रामचन्द्र. रस मीमांसा काशी नागरी प्रचारिणी सभा, 18. सिंह उदयभानु (सं) भारतीय काव्यशास्त्र.नयी दिल्ली, राजेश प्रकाशन,
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि

4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढांचा
Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम**(Name of the Course)**:आधुनिक हिंदी कविता-2**
2. **पाठ्यचर्या का कोड (**Code of the Course)**:MHS301**
3. **क्रेडिट (**Credit): **4**
4. **सेमेस्टर**(Semester): **तृतीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइनव्याख्यान	**45**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**10+5=15**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	नैतिकता एवं आध्यात्मिक चेतना का विकास
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course**):**

- हिंदी कविता की परंपरा की महत्वपूर्ण उपलब्धियों के बारे में जानकारी देना।
- छायावादोत्तर आधुनिक हिंदी कविता के प्रमुख कवियों और उनकी विशिष्ट कविताओं से परिचित कराना।
- कविताओं का विशलेषणात्मक और आलोचनात्मक संदर्भ समझाने के यत्न के साथ हिंदी कविता की परंपरा के सातत्य को स्पष्ट करना।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	प्रस्तुत पाठयचर्या के माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता की भावगत और कलागत समृद्धि से परिचय प्राप्त कर पाएंगे।
कौशल/दक्षता संबंधी	1.कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण के द्वारा भारतीय समाज और संस्कृति की जीवटता को समझ पाएंगे। 2.पाठयचर्या में सम्मिलित कवि और उनकी कविताएं, उनके युग की चुनौतियों का जानने का अवसर प्रदान करेंगे। 3.वर्तमान और भविष्य के लिए युवा अध्येताओं को समाजिक और सांस्कृतिक रूप से संपन्न बना सकेंगे।
रोजगार संबंधी	कविता के अध्यापन और काव्य लेखन की दृष्टि से रोजगारोपयोगिता होगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूलसंख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश** (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला..** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	• आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर) की पृष्ठभूमि (सामाजिक - सांस्कृतिक परिदृश्य) • रामधारी सिंह 'दिनकर':व्यक्तित्व विश्लेषण	**9**	**2**	**1**	**12**	**20%**

	• रामधारी सिंह 'दिनकर' : कवि के रूप मे उपलब्धियाँ • उर्वशी और कामाध्यात्म • उर्वशी तृतीय अंक: व्याख्या एवं विश्लेषण					
मॉड्यूल-2	• प्रयोगवादी हिंदी कविता की पृष्ठभूमि और परिदृश्य • नयी कविताका उदय और विकास • अज्ञेय और असाध्यवीणा (पाठ- व्याख्या, विश्लेषण एवं आलोचना)	**9**	**2**	**1**	**12**	**20%**
मॉड्यूल-3	• आधुनिक हिंदी कविता की प्रगतिवादी धारा और नागार्जुन • हरिजन-गाथा (पाठ- व्याख्या, विश्लेषण एवं आलोचना) • सिंदूर तिलकित भाल (पाठ- व्याख्या विश्लेषण एवं आलोचना)	**9**	**2**	**1**	**12**	**20%**
मॉड्यूल-4	• गजानन माधव मुक्तिबोध : व्यक्तित्व विश्लेषण • अंधेरे में (पाठ-व्याख्या विश्लेषण एवं आलोचना)	**9**	**2**	**1**	**12**	**20%**
मॉड्यूल-5	• रघुवीर सहाय और उनकी कविताएं : सीमा और सामर्थ्य • रामदास (पाठ-व्याख्या/विश्लेषण एवं आलोचना) • आत्महत्या के विरूद्ध (पाठ व्याख्या/विश्लेषण एवं आलोचना) • धूमिल : व्यक्तित्व विश्लेषण • धूमिल : रचनात्मक उपलब्धियाँ • मोचीराम (पाठ व्याख्या/विश्लेषण एवं आलोचना)	**9**	**2**	**1**	**12**	**20%**
योग		**45**	**10**	**5**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान : (Approaches, Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, लोक प्रस्तुति
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण,दृश्य श्रव्य माध्यम
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , दृश्य श्रव्य माध्यम इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण(APA प्रारूप में)
1	आधार पाठ्य ग्रंथ	सिंह, दिनकर, रामधारी, उर्वशी, उदयाचल प्रकाशन, पटना/ लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद अज्ञेय, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन, ऑगन के पार द्वार, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी सिंह, नामवर (संपादक) नागार्जुन प्रतिनिधि कविताएं, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली **मुक्तिबोध, गजानन माधव,चाँद का मुँह टेढ़ा है**, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली शर्मा, सुरेश (संपादक) : रघुवीर सहाय : प्रतिनिधि कविताएं, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली मिश्र, ब्रहमदेव और मिश्र शिवकुमार (संपादक), धूमिल की श्रेष्ठ कविताएं, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

2	संदर्भ-ग्रंथ	सिंह,विजेंद्र नारायण, उर्वशी : उपलब्धि और सीमा, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद शाह, रमेशचंद्र, अज्ञेय : वागर्थ का वैभव, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली चतुर्वेदी, रामस्वरूप, अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद कुमार, वचनदेव, उर्वशी : विचार और विश्लेषण, बिहारग्रंथ कुटीर, पटना तिवारी, रमाशंकर, दिनकर की उर्वशी, चौखंभा विद्या भवन, वाराणसी त्रिपाठी, चंद्रकला, अज्ञेय और नयी कविता, संजय प्रकाशन, वाराणसी सिंह, विजय बहादुर, नागार्जुन का रचना संसार, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली श्रीवास्तव, परमानंद (संपादक), नागार्जुन : मूल्यांकन/पुर्नमूल्यांकन, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद जैन, निर्मला (संपादक), अंतरतल का पूरा विटलव :अंधेरे में, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली नवल, नंदकिशोर, मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली शर्मा, सुरेश, रघुवीर सहाय का कविकर्म, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली सिंह, नामवर, कविता के नये प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली साही, विजयदेव नारायण, छठवां दशक, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
3	ई-संसाधन	ई.पी.जी.पाठशाला,hindisamay.com,kavitakosh.org, bharatdiscovery.org,epustakaly.com
4	अन्य	सिंह, मुरली मनोहर प्रसाद और चौहान, चंचल (संपादक) ‘नयापथ’ का नागार्जुन विशेषांक (जनवरी-जून संयुक्तांक 2011)

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढांचा
Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइनव्याख्यान	**45**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**10+5=15**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	नैतिकता एवँ आध्यात्मिक चेतना का विकास
कुल क्रेडिट घंटे	60

1.पाठ्यचर्या का नाम (**Name of the Course**):**हिंदी आलोचना**
2.पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course) : MHS302
3.क्रेडिट(Credit): 04
4. सेमेस्टर(Semester): तृतीय
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course**):**

- हिंदी आलोचना के प्रामाणिक इतिहासऔर उसकी विकास-यात्रा की स्पष्ट समझ विकसित करने के लक्ष्य के साथ यह पाठयचर्या नियोजित है।
- हिंदी साहित्य की समझ के लिए आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होगी।
- हिंदी साहित्य के परिशंसन की सामर्थ्य का विकास संभव होगा।
- हिंदी के महत्वपूर्ण आलोचकों के बारे में जानकारी देना भी संभव होगा।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	पाठयचर्या के माध्यम से स्नातकोतर स्तर के विद्यार्थियों को हिंदी आलोचना की समृद्धि का सम्यक ज्ञान होगा।
कौशल/दक्षता संबंधी	साहित्य को जानने-समझने की आलोचनात्मक दृष्टि का विकास कर पाएंगे और अंतत: अपनी भारतीय संस्कृति और परंपरा के मूल्यवान और प्रगतिशील तत्वों की पहचान करने में समर्थ होंगे।
रोजगार संबंधी	अध्यापक , आलोचक और साहित्य – परिशंसक के रूप में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूलसंख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	• हिंदी आलोचना : उद्भव और विकास (हिंदी आलोचना की सामान्य पृष्ठभूमि) • महावीर प्रसाद द्विवेदी का आलोचना – कर्म	**9**	**2**	**1**	**12**	**20%**

	• 'कवि और कविता' और आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि					
मॉड्यूल-2	• आचार्य रामचंद्र शुक्ल: आलोचना-कर्म • सैद्धांतिक आलोचना, व्यावहारिक आलोचना • 'कविता क्या है' और आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना दृष्टि • हिंदी आलोचना में आचार्य रामचंद्र शुक्ल का स्थान • आलोचक हजारी प्रसाद द्विवेदी • 'साहित्य में व्यक्ति और समष्टि' और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि	**9**	**2**	**1**	**12**	**20%**
मॉड्यूल-3	• आचार्य नंद दुलारे बाजपेयी :आलोचक के रूप में मूल्यांकन • 'छायावाद में अनुभूति और	**9**	**2**	**1**	**12**	**20%**

	कल्पना' और आचार्य नंददुलारे वाजपेयी की आलोचना दृष्टि ● डॉ नगेंद्र का आलोचना- कर्म 'सौंदर्यानुभूति का स्वरूप' और डॉ. नगेंद्र की आलोचना दृष्टि					
मॉड्यूल-4	● डॉ राम विलास शर्मा : व्यक्ति और आलोचक 'परंपरा का मूल्यांकन' और डॉ. राम विलास शर्मा की आलोचना दृष्टि ● हिंदी आलोचना में डॉ राम विलास शर्मा का योगदान ● डॉ नामवर सिंह का आलोचना – कर्म ● 'इतिहास का नया दृष्टिकोण' और डॉ. नामवर सिंह की आलोचना दृष्टि	**9**	**2**	**1**	**12**	**20%**
मॉड्यूल-5	रचनाकार आलोचकों की आलोचना दृष्टि ● अज्ञेय ● मुक्तिबोध ● विजयदेव	**9**	**2**	**1**	**12**	**20%**

	नारायण साही					
योग		**45**	**10**	**5**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान : (Approaches, Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, लोक प्रस्तुति
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण,दृश्य श्रव्य माध्यम
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , दृश्य श्रव्य माध्यम इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण(APA प्रारूप में)

1	आधार/पाठ्य ग्रंथ/ संदर्भ-ग्रंथ	शर्मा, रामविलास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली शर्मा, रामविलास, परंपरा का मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली सिंह, नामवर, इतिहास और आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली सिंह, नामवर, दूसरी परंपरा की खोज, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली सिंह, नामवर, रामचंद्र शुक्ल संचयन, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली सिंह, शिव प्रसाद (संपादक), शांति निकेतन से शिवालिक चतुर्वेदी, रामस्वरूप (संपादक) कवि-दृष्टि अज्ञेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद साही, विजयदेव नारायण, छठवां दशक, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद मलयज, रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली जैन, निर्मला, हिंदी आलोचना : बीसवीं शताब्दी, ने.प.हा., नयी दिल्ली त्रिपाठी, विश्वनाथ, हिंदी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली नवल, नंदकिशोर, मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली तिवारी, रामचंद्र, हिंदी आलोचना : शिखरों का साक्षात्कार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2	ई-संसाधन	hindisamay.com, kavitakosh.org, hindinews18.com, epustakaly .com, www.pustak.org
3	अन्य	सिंह, कृष्ण कुमार (संपादक) हिंदी के नामवर, बहुवचन का विशेषांक, म.ग.ह.वि.वि., वर्धा सिंह, नामवर, आलोचना त्रैमासिक, सहस्राब्दी अंक, 55, (मुक्तिबोध पर केंद्रित) आ. महावीर प्रसाद द्विवेदी, आ. रामचंद्र शुक्ल, आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. रामविलास शर्मा आदि पर साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली द्वारा प्रकाशित विनिबंध (monographs)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12+8=20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	--
कौशल विकास गतिविधियाँ	साहित्य की सैद्धांतिक एवं वैचारिक समझ का विकास
कुल क्रेडिटघंटे	60

Template for theCourse

1. **पाठ्यचर्या का नाम (**Name of the Course)**:सिद्धांत एवं विचारधारा**
2. **पाठ्यचर्या का कोड**(Codeof the Course): MHS303
3. **क्रेडिट(Credit): 4**
4. **सेमेस्टर(Semester):तृतीय**
5. **पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course) :**प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य हिंदी साहित्य के विद्यार्थियों में साहित्य के प्रमुख सिद्धांतों एवं विचारधाराओं की समझ विकसित करना **है।**
6. **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :**

ज्ञान संबंधी	विद्यार्थी साहित्य के प्रमुख सिद्धांतों एवं विचारधाराओं का सम्यक ज्ञान प्राप्त करेगा।
कौशल/दक्षता संबंधी	विद्यार्थी सिद्धांत और विचारधारा के अध्ययन के उपरांत साहित्य की संरचना को व्यवस्थित रूप से समझ सकेगा तथा साहित्य की व्याप्ति और उसमें निहित संवेदना को समझ सकेगा।
रोजगार संबंधी	इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी साहित्य में सिद्धांत के विनियोग की समझ प्राप्त कर अध्यापन के क्षेत्र में अवसर प्राप्त कर सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
माड्यूल-1	**विचारधारा और साहित्य** • साहित्य: स्वरूप एवं व्याप्ति • हिंदी साहित्य: विशिष्ट मतवाद • परंपरा: स्वरूप एवं विशेषताएँ • साहित्य और विचारधारा का अंतर्संबंध	**10**	**3**	**2**	**15**	
माड्यूल-2	**परंपरा और आधुनिकता** • आधुनिक • आधुनिकता • आधुनिकताबोध • परंपरा और आधुनिकता का अंतर्संबंध • पुनरुत्थान	**10**	**3**	**2**	**15**	

	● उत्तर आधुनिकता					
माड्यूल-3	**प्रमुख साहित्य सिद्धांत** ● राष्ट्रवाद ● अस्तित्ववाद ● गांधीवाद ● समाजवाद	**10**	**3**	**2**	**15**	
माड्यूल-4	**नव्य साहित्य सिद्धांत** ● स्त्रीवाद ● दलित चेतना ● आदिवासी चिंतन ● उत्तर औपनिवेशिक चिंतन	**10**	**3**	**2**	**15**	
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान : (Approaches, Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, लोक प्रस्तुति
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण,दृश्य श्रव्य माध्यम
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , दृश्य श्रव्य माध्यम इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	

निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• प्राचीन भारतीय साहित्य मीमांसा- एक आकलन /अशोक रा. केलकर/ राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली • भारतीय साहित्य: स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ /के. सच्चिदानन्दन/राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली • विभ्रम और यथार्थ/क्रिस्टोफर कॉडवेल/राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली • साहित्य और इतिहास-दृष्टि/मैनेजर पाण्डेय/वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली • साहित्य का इतिहास-दर्शन/नलिन विलोचन शर्मा/बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना • साहित्य का नया परिप्रेक्ष्य/रघुवंश/भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली • साहित्य सिळान्त/रेनेवेलेक, आस्टिन वारेन/लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद • हिन्दी काव्यधारा/सं. राहुल सांकृत्यायन/किताब महल, इलाहाबाद • हिन्दी साहित्य कोश, भाग-1/सं. धीरेन्द्र वर्मा/ज्ञानमंडल लि., वाराणसी
3	ई-संसाधन	आई. सी. टी. आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पीजी. पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for theCourse

1. **पाठ्यचर्या का नाम** (Name of the Course)**: पाश्चात्य काव्यशास्त्र**
2. **पाठ्यचर्या का कोड**(Codeof the Course): **MHS304**
3. **क्रेडिट(Credit): 4**
4. **सेमेस्टर(Semester):तृतीय**
5. **पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course)**: प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य पाश्चात्य साहित्य का सामान्य परिचय स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य में रुचि जागृत करवाना एवं उसे प्रारम्भिक ज्ञान प्रदान करना है।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइनव्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12+8= 20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

6. **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :**

ज्ञान संबंधी	विद्यार्थी पाश्चात्य साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त करेगा।
कौशल / दक्षता संबंधी	विद्यार्थी पाश्चात्य साहित्य के अध्ययन से सामासिक संस्कृति में अपना योगदान दे सकेगा। विद्यार्थी पाश्चात्य साहित्य की पददतियों से परिचय प्राप्त कर भारतीय साहित्य परंपरा में अपना योगदान से सकेगा।
रोजगार संबंधी	विद्यार्थी पाश्चात्य साहित्य चिंतकों की पददतियोंअध्ययन से तादात्म्य स्थापित कर भारतीय एकता को समझते हुये लोकतन्त्र को सुद्रढ करने में अपना योगदान दे सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूलसंख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	पाश्चात्य साहित्य चिंतन का विकासक्रम प्लेटो काव्य संबंधी मान्यताएँ, अरस्तू अनुकरण सिद्धान्त, विरेचन सिद्धान्त, लोंजाइनस की काव्य संबंधी धारणा: उदात्त का स्वरूप, होरेश- काव्य संबंधी विचार	**10**	**03**	**02**	**15**	
मॉड्यूल-2	जोन ड्राइडन: काव्य प्रयोजन, अनुकरण एवं कल्पना,नाटक, वर्ड्स वर्थ के काव्य गुण, काव्य भाषा,	**10**	**03**	**02**	**15**	

	कालरिज कल्पना और फेंटेसी.					
मॉड्यूल-3	आई ए रिचर्डस मूल्य सिद्धान्त और सम्प्रेषण, टी. एस इलियट निर्वेयक्तिक तावाद का सिद्धान्त परंपरा और निर्वेक्तिकतावाद,जार्ज लुकाच उपन्यास संबंधी विचार।	**10**	**03**	**02**	**15**	
मॉड्यूल-4	कला कला के लिए, अभिव्यंजनावाद, अस्तित्ववाद यथार्थवाद, मार्क्सवाद	**10**	**03**	**02**	**15**	
मॉड्यूल-5--	नई समीक्षा, संरचनावाद, आधुनिकतावाद, उत्तर आधुनिकतावाद , विखंडनवाद।	**10**	**03**	**02**	**15**	
योग		**40**	**12**	**08**	**60**	

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान : (Approaches, Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, लोक प्रस्तुति
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण,दृश्य श्रव्य माध्यम
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , दृश्य श्रव्य माध्यम इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Textbooks/Reference/Resources) :

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण(APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	1.अरस्तू का काव्यशास्त्र/अनु. सं. नगेन्द्र/आत्माराम एंड संस, नयी दिल्ली 2. उदात्त के विषय में/अनु. निर्मला जैन/वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली 3. कार्ल माक्र्सः कला एवं साहित्य चिन्तन/सं. नामवर सिंह/राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली 4. काव्य चिन्तन की पश्चिमी परम्परा/निर्मला जैन/वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली 5. नई समीक्षा के प्रतिमान/सं. निर्मला जैन/नेशनल पब्लिकेशन हाउस, नयी दिल्ली 6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र/आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा/नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली 7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास/तारकनाथ बाली/ शब्दकार, नयी दिल्ली 8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र/विजय बहादुर सिंह/प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली 9. पाश्चात्य काव्यशास्त्रः इतिहास, सिळान्त और वाद/भगीरथ मिश्र/विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रः तुलनात्मक अध्ययन/बच्चन सिंह/हरियाणा साहित्य अकादमी, चंड़ीगढ़ 11. मनोविश्लेषण/सिंगमंड फ्रायड ;अनूदितद्ध/ राजपाल एंड संस, नयी दिल्ली 12. माक्र्सवादी साहित्य चिन्तन: इतिहास तथा सिळान्त/शिवकुमार मिश्र/मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला,**hindisamaya.com** एवं यूट्यूब द्वारा ऑन लाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।

4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for theCourse

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12+8=20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	--
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

1. **पाठ्यचर्याका नाम**(Nameof the Course)**:भारतीय साहित्य**
2. **पाठ्यचर्याकाकोड**(Codeof the Course):**MHS401**
3. **क्रेडिट(Credit): 4**
4. **सेमेस्टर(Semester):चतुर्थ**

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course) **:**

प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्यभारतीय साहित्य की विशेषताओं से परिचित कराना एवं विद्यार्थियों की भारतीय साहित्य में रूचि जागृत करना एवं उसके स्वरूप से अवगत कराना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes)**:**

ज्ञान संबंधी	विद्यार्थियों में भारतीय साहित्य की समझ विकसित होगी।
कौशल/दक्षता संबंधी	विद्यार्थी भारतीय साहित्य के अध्ययन से सामासिक संस्कृति में अपना योगदान दे सकेगा। भारतीय साहित्य की विधाओं से परिचय प्राप्त कर भारतीय साहित्यिक परंपरा से जुड़ सकेगा।
रोजगार संबंधी	तुलनात्मक साहित्य में अध्यापन कर सकेगा और भारतीय राष्ट्रीय एकता को समझते हुए लोकतंत्र को सुदृढ़ करने में योगदान दे सकेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse**)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
माड्यूल-1	**भारतीय साहित्य की अवधारणा** • भारत की सामासिक संस्कृति और भाषिक स्थिति • भारतीय साहित्यिक परम्पराएँ • भारतीय साहित्यिक आदान प्रदान • भारतीय साहित्य में एकता के सूत्र • भारतीय साहित्य का वैशिष्ट्य	**10**	**3**	**2**	**15**	
माड्यूल-2	**भारतीय कविता** • तमिल: सुब्रमन्यम भारती– भारत देशम (सब शत्रु भाव मिट जाएंगे), करूबुन्तोट्टत्तिले (गन्ने के खेत में), • मलयालम: जी शंकर कुरुप- जीवन,	**10**	**3**	**2**	**15**	

	चंद्र कला, ● बांग्ला: टैगोर– जीवन देवता, दो पंछी, ● उड़िया: रमाकांत रथ: श्री राधा (4,13,25,27,) ● पंजाबी: अवतार सिंह पाश- सबसे खतरनाक, मेरी बुलबुल					
माड्यूल-3	**भारतीय उपन्यास** ● कन्नड :संस्कार– यू.आर.अनंत मूर्ति ● यू.आर.अनंत मूर्ति का जीवन और रचना संसार ● संस्कार की कथावस्तु का वैशिष्ट्य ● संस्कार में चित्रित समाज ● संस्कार में मूलों का द्वंद्व ● संस्कार का पाठ विश्लेषण	**10**	**3**	**2**	**15**	
माड्यूल-4	**भारतीय नाटक** ● भारतीय नाटक का स्वरूप और वैशिष्ट्य ● मराठी : विजय तेंदुलकर-खामोश अदालत जारी है ● विजय तेंदुलकर का जीवन और रचना संसार ● खामोश अदालत जारी है के कथावस्तु का वैशिष्ट्य ● पाठ एवं अभिनेयता ● रंग मंचीय दृष्टि से विश्लेषण ● खामोश अदालत जारी है का स्त्रीवादी पाठ ● खामोश अदालत जारी है का पाठ विश्लेषण	**10**	**3**	**2**	**15**	
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान : (Approaches, Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, लोक प्रस्तुति

विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण,दृश्य श्रव्य माध्यम
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , दृश्य श्रव्य माध्यम इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	संस्कार – यू.आर.अनंत मूर्ति खामोश अदालत जारी है-विजय तेंदुलकर सुब्रमन्यम भारती– भारत देशम (सब शत्रु भाव मिट जाएंगे), करूंबुन्तोट्टत्तिले (गन्ने के खेत में), जीवन, चंद्र कला, - जी शंकर कुरुप रवीन्द्र नाथ की कविताएं – श्री राधा-रमाकांत रथ अवतार सिंह पाश- सबसे खतरनाक, मेरी बुलबुल
2	संदर्भ-ग्रंथ	Das SisirKumar . A History of Indian Literature (3Vols.)/SahityaAkademi, N.D. Gokak G.K. The Cocept of Indand Literature:New Delhi MunshiramManoharlal,

		चौधुरी इन्द्रनाथ,तुलनात्मक साहित्य: भारतीय परिप्रेक्ष्य,: नयी दिल्ली वाणी प्रकाशन, द्विवेदी, मीरा.भारतीय साहित्य में एवं कला में श्री राधा वाराणसी कला प्रकाशन 2009 नगेन्द्र.(सं.), तुलनात्मक साहित्य, नयी दिल्ली: नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नगेन्द्र.भारतीय साहित्य नई दिल्ली प्रभात प्रकाशन 1999 भारतीय साहित्य: स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ /के. सच्चिदानन्दननयी दिल्ली राजकमल प्रकाशन, रेड्डी, विजयराघव, **भारतीय साहित्य विविधपरिदृश्य** दिल्ली साहित्य सहकार 1999 विंटरनित्ज,एम. प्राचीन भारतीय साहित्य का इतिहास:नयी दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास, शर्मा,रामविलास.भारतीय साहित्य की भूमिका. नई दिल्ली राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. 1998
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for theCourse

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	45
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	----
कौशल विकास गतिविधियाँ	----
कुल क्रेडिटघंटे	60

1. **पाठ्यचर्याका नाम(Name of the Course): साहित्यिक विमर्श**
2. **पाठ्यचर्याकाकोड(Code of the Course):MHS402**
3. **क्रेडिट(Credit): 4**
4. **सेमेस्टर(Semester) : चतुर्थ**
5. **पाठ्यचर्या विवरण**(Description of Course) **:** पाठ्यचर्या का उद्देश्य साहित्यिक विमर्शों की अवधारणा, आन्दोलन और प्रवृत्तियों से परिचित कराने के साथ उसके महत्व पर प्रकाश डालना है।
6. **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):**

ज्ञान संबंधी	विद्यार्थी को संवेदनशील बनाने के साथ समता मूलक समाज निर्माण के लिए उन्हें तैयार करना है।
कौशल/दक्षता संबंधी	मुख्यधारा के हिंदी साहित्य में हाशिये के वर्ग की चर्चा बहुत कम हुई है, इसलिए यह प्रश्नपत्र समग्रता में हिंदी साहित्य को समझने में सहायक है।
रोजगार संबंधी	इसके अध्ययन से ज्ञान में वृद्धि के साथ अध्यापन तथा अन्य क्षेत्र में रोजगार की प्राप्ति होगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(**Contents of theCourse**)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		*** व्याख्यान**	*** ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**पाठ का शीर्षक:** अस्मिता और विमर्श का सामान्य परिचय **उप शीर्षक:** 1. अस्मिता का अर्थ 2. विमर्श का तात्पर्य 3. अस्मितावादी विमर्श का अभिप्राय एवं उद्देश	05	**01**	----	06	**10%**
मॉड्यूल-2	**पाठ का शीर्षक:** दलित विमर्श **उप शीर्षक:** 1. दलित का परिचय 2. दलित विमर्श की					

	अवधारणा 3. दलित आन्दोलन फूले पेरियार साहूजी आंबेडकर कांसीराम 4. दलित साहित्य की प्रवृत्तियाँ	15	**05**	-----	**20**	**33.3%**
मॉड्यूल-3	स्त्री विमर्श 1. स्त्री विमर्श की अवधारणा 2. मुक्ति आन्दोलन भारतीय पाश्चात्य 3. स्त्री विमर्श के विभिन्न स्कूल 3. स्त्री साहित्य की प्रवृत्तियाँ	15	**05**	-----	**20**	**33.3%**
मॉड्यूल-4	आदिवासी विमर्श 1. आदिवासी का परिचय 2. आदिवासी विमर्श की अवधारणा 3. आदिवासी आन्दोलन 4. आदिवासी साहित्य की प्रवृत्तियाँ	10	**04**	----	14	**23.4%**
योग		**45**	**15**	**----**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान : (Approaches, Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, लोक प्रस्तुति
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण,दृश्य श्रव्य माध्यम
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , दृश्य श्रव्य माध्यम इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण(APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	चव्यहाण, डॉ. अर्जुन, विमर्श के विविध आयाम,नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. भारती, कँवल(सं.), दलित विमर्श की भूमिका, नई दिल्ली, साहित्य उपक्रम. 2. बौद्ध, शांति स्वरूप, ज्योतिबा फूले की अमर कहानी, नई दिल्ली, सम्यक प्रकाशन. 3. मालती. डॉ. के.एम., स्त्री विमर्श भारतीय परिपेक्ष, नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन. 4. मिल, जॉन स्टुअर्ट, स्त्रियों की पराधीनत (अनु. सक्सेना, प्रगति), दिल्ली, राजकमल प्रकाशन. 5. गुप्ता, रमणिका, स्त्री मुक्ति इतिहास और संघर्ष, नई दिल्ली, सामायिक प्रकाशन. 7. 6. मीणा, गंगा सहाय, आदिवासी साहित्य विमर्श, नई दिल्ली, अनामिका पब्लिशर्स. 8. मीणा, केदार प्रसाद,आदिवासी विद्रोह, नई दिल्ली, अनुज्ञा बुक्स. 9. गुप्ता, रमणिका, आदिवासी लेखन उभरती चेतना, नई दिल्ली, सामायिक प्रकाशन.
3	ई-संसाधन	**1. www.wikipedia.org** **2. www.egyankosh.ac.in** **3. www.youtube.com** **4. https://epgp.inflibnet.ac.in/**
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइनव्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**12+8=20**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for theCourse

1. **पाठ्यचर्याका नाम(Name of the Course) :** कबीर दास विशेष रचनाकार
2. **पाठ्यचर्याकाकोड(Code of the Course) : MHS403**
3. **क्रेडिट(Credit): 4**
4. **सेमेस्टर(Semester) : चतुर्थ**
5. **पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course) :** प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य पाश्चात्य साहित्य का सामान्य परिचय स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य में रुचि जागृति करवाना एवं उसे प्रारम्भिक ज्ञान प्रदान करना है।
6. **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):**

ज्ञान संबंधी	विद्यार्थी कबीर दास की रचनाओं का सामान्य परिचय प्राप्त करेगा।
कौशल / दक्षता संबंधी	विद्यार्थी संत कबीर दास की रचनाओं के अध्ययनोपरांत सामासिक संस्कृति में अपना योगदान दे सकेगा। विद्यार्थी संत कबीर दास की रचनाओं से परिचय प्राप्त कर भारतीय साहित्य परंपरा में अपना योगदान से सकेगा।
रोजगार संबंधी	विद्यार्थी संत कबीर दास की रचनाओं के अध्ययन से तादात्म्य स्थापित कर भारतीय एकता को समझते हुये लोकतन्त्र को सुद्रढ करने में अपना योगदान दे सकेगा।

7. **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु**(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	संतकाव्य की परम्परा और कबीर * संतकाव्य की परम्परा * संतकाव्य का वैचारिक आधार *कबीर का जीवन और साहित्य	**10**	**03**	**02**	**15**	
मॉड्यूल-2	कबीर : विविध आयाम • कबीर की भक्ति भावना • कबीर का	**10**	**03**	**02**	**15**	

	दर्शन • कबीर के सामाजिक सरोकार और मूल्य • कबीर का लोक					
मॉड्यूल-3	कबीर : एक मूल्यांकन • कबीर के आलोचक • कबीर की काव्यकला • कबीर की भाषा • कबीर की प्रासंगिकता	**10**	**03**	**02**	**15**	
मॉड्यूल-4	कबीर ग्रंथावली- श्यामसुंदर दास 50 साखी भाग और प्रारम्भिक 30 पद (व्याख्या एवं विश्लेषण)	**10**	**03**	**02**	**15**	
योग		**40**	**12**	**08**	**60**	

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान : (Approaches, Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, लोक प्रस्तुति
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण,दृश्य श्रव्य माध्यम
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , दृश्य श्रव्य माध्यम इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Textbooks/Reference/Resources) :

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	दास, श्याम सुंदर, कबीर ग्रंथावली (2019) नई दिल्ली , तक्षशिला प्रकाशन, 98, ए , हिंदी पार्क दारियागंज
2	संदर्भ-ग्रंथ	द्विवेदी हजारी प्रसाद, कबीर, नई दिल्ली, राधा कृष्ण प्रकाशन, प्राइवेट लिमटेड स्नातक विजेंद्र, (2008) नई दिल्ली, राधा कृष्ण प्रकाशन, प्राइवेट लिमटेड सिंह, डॉ जयदेव, डॉ सिंह वासुदेव, रमैनी (2006), वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन,
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला,**hindisamaya.com** / हिंदी समय.कॉम एवं यूट्यूब द्वारा ऑन लाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइनव्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12+8=20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	नैतिकता एवँ आध्यात्मिक चेतना का विकास
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for theCourse

1. **पाठ्यचर्याका नाम(Name of the Course) :**गोस्वामी तुलसीदास
2. **पाठ्यचर्याकाकोड(Code of the Course) : MHS404**
3. **क्रेडिट(Credit): 4**
4. **सेमेस्टर(Semester) : चतुर्थ**
5. **पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course) :** गोस्वामी तुलसीदास मध्यकालीन भारतीय साहित्येतिहास की दृष्टि से अत्यंत प्रभावशाली रचनाकार हैं। उनका घनिष्ठ संबंध, मध्यकाल के व्यापक और लोकोन्मुखी 'भक्ति आंदोलन' से रहा है। उन्होंने भारतीय समाज की जटिलताओं को बहुत निकट से अनुभव किया था। सामाजिक और धार्मिक दृष्टि से विभाजित समाज को एकता के सूत्र में बांधने का भगीरथ प्रयत्न,उनके द्वारा किया गया। इसके लिए उन्होंने जनता की भाषा (ब्रज और अवधी) में अमृत साहित्य का सृजन किया और समाज को मर्यादा पुरूषोतम श्रीराम के रूप में एक नायक से परिचय कराया। इस पाठयचर्या के अंतर्गत गोस्वामी तुलसीदास के व्यक्तित्व और उनकी महत्वपूर्ण रचनाओं के अध्ययन और विश्लेषण की योजना की गयी है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	प्रस्तुत पाठयचर्या के माध्यम से विद्यार्थी को हिंदी के एक बड़े रचनाकार, गोस्वामी तुलसीदास के व्यक्तित्व और उनके समय व समाज को प्रामाणिक रूप से जानने-समझने का अवसर प्राप्त होगा।
कौशल/दक्षता संबंधी	गोस्वामी तुलसीदास जी की रचनाओं के अध्ययन-विश्लेषण से उनके 'समन्वयवादी दृष्टिकोण' की महिमा का ज्ञान प्राप्त कर अपनी दृष्टि को परिमार्जित कर सकेगा और अपने व्यक्तित्व में लोकतांत्रिक मूल्यों व नैतिक सदवृत्तियों को विकसित कर सकेगा।
रोजगार संबंधी	अध्यापन की दृष्टि से रोजगारोपयोगिता होगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	**भक्ति आंदोलन और गोस्वामी तुलसीदास** ● भक्ति आंदोलन की पृष्ठभूमि ● गोस्वामी तुलसीदास : व्यक्तित्व की असाधारणता ● मध्यकालीन भारतीय चिंताधारा और गोस्वामी तुलसीदास **भक्ति की परंपरा और गोस्वामी तुलसीदास** ● भक्ति : आशय और विकास परंपरा ● भक्ति की दार्शनिक पृष्ठभूमि/भक्ति के विविध संप्रदाय ● गोस्वामी तुलसीदास का भक्तिदर्शन ● भक्ति – धारा में गोस्वामी तुलसीदास का स्थान	**10**	**3**	**2**	**15**	**25%**
मॉड्यूल-2	**राम काव्य परंपरा और गोस्वामी तुलसीदास** ● रामकथा:विविध संदर्भ ● राम काव्य की परंपरा ● गोस्वामी तुलसीदास की रचनाएं : विशिष्टता के संदर्भ	**10**	**3**	**2**	**15**	**25%**
मॉड्यूल-3	**गोस्वामी तुलसीदास की काव्य-कला** ● शिल्प विधान : रस, छंद, अलंकार ● भाषा प्रयोग : विविध रूप ● काव्य शैलियां व काव्य रूप ● महाकाव्यकार गोस्वामी तुलसीदास ● गोस्वामी तुलसी दास का 'समन्वयवाद'	**10**	**3**	**2**	**15**	**25%**

मॉड्यूल-4	**व्याख्या एवं आलोचना** निर्धारित पाठ ● **रामचरित मानस**-अयोध्या कांड-दोहा सं. 156 से अंत तक, सोरठा-संख्या 326 तक ● **कवितावली** : उत्तरकांड (पद सं.-39, 40, 47, 57, 69, 70, 71, 72, 82, 83, 84, 85, 96, 97, 98, 99, 106, 107, 169, 171 (कुल 20 पद) ● **विनय पत्रिका** : (पद सं. 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 75, 76, 78, 79, 80, 82, 87,88,90, 91, 95, 101 (कुल 20 पद)	**10**	**3**	**2**	**15**	**25%**
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान : (Approaches, Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, लोक प्रस्तुति
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण,दृश्य श्रव्य माध्यम
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , दृश्य श्रव्य माध्यम इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	

पूर्णांक	25	75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण(APA प्रारूप में)
1	आधार पाठ्य ग्रंथ	तुलसीदास, रामचरित मानस, गीता प्रेस गोरखपुर तुलसीदास, विनय पत्रिका, गीता प्रेस गोरखपुर तुलसीदास, कवितावली, गीता प्रेस, गोरखपुर
2	संदर्भ-ग्रंथ	1.शुक्ल, रामचंद्र, गोस्वामी तुलसीदास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी 2.मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद, गोसाई तुलसीदास, वाणी वितान, वाराणसी 3.त्रिपाठी, विश्वनाथ, लोकवादी तुलसीदास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली 4.मेघ, रमेश कुंतल, तुलसी आधुनिक वातायन से, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली 5.गुप्ता, माता प्रसाद, तुलसीदास 6.तिवारी, रामचंद्र, मध्ययुगीन काव्य साधना, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 7.मिश्र, शिवकुमार, भक्तिकाव्य और लोकजीवन
3	ई-संसाधन	ई.पी.जी.पाठशाला,hindisamay.com,kavitakosh.org, hindinews18.com,epustakaly.com
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for theCourse

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइनव्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15+5=20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	साहित्य विवेक का निर्माण एवं विकास
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. **पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course) :विशेष रचनाकार : आचार्य रामचंद्र शुक्ल**
2. **पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course) : MHS405**
3. **क्रेडिट(Credit) : 04**
4. **सेमेस्टर(Semester) :चतुर्थ**

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)**:** आचार्य रामचंद्र शुक्ल हिंदी साहित्य में सुप्रसिद्ध आलोचक के रूप में समादृत हैं. हिंदी आलोचना को दिशा और दृष्टि प्रदान करने में आचार्य रामचंद्र शुक्ल का योगदान अप्रतिम है. इस पाठ्यचर्या के अंतर्गत आचार्य रामचंद्र शुक्ल के व्यक्तित्व और उनकी महत्वपूर्ण रचनाओं के अध्ययन और विश्लेषण की योजना की गयी है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs ((Course Learning Outcomes)):

ज्ञान संबंधी	प्रस्तुत पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी को हिंदी के एक बड़े आलोचक आचार्य रामचंद्र शुक्ल के व्यक्तित्व और उनके समय व समाज को प्रामाणिक रूप से जानने-समझने का अवसर प्राप्त होगा। प्रस्तुत पाठयचर्या के माध्यम से स्नातकोतर स्तर के विद्यार्थियों को हिंदी आलोचना की समृद्धि का सम्यक ज्ञान होगा।
कौशल/दक्षता संबंधी	साहित्य को जानने-समझने की आलोचनात्मक दृष्टि का विकास कर पाएंगे और अंतत: अपनी भारतीय संस्कृति और परंपरा के मूल्यवान और प्रगतिशील तत्वों की पहचान करने में समर्थ होंगे।
रोजगार संबंधी	अध्यापक , आलोचक और साहित्य – परिशंसक के रूप में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**हिंदी आलोचना और आचार्य रामचंद्र शुक्ल** • हिंदी आलोचना की परम्परा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल • आचार्य रामचंद्र शुक्ल : व्यक्तित्व और कृतित्व • **आचार्य रामचंद्र शुक्ल** के आलोचनात्मक प्रतिमान : रसात्मकबोध के विविध रूप, कविता क्या है, साधारणीकरण और उक्तिवैचित्र्यवाद, काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था	**10**	**3**	**2**	**15**	**25%**
मॉड्यूल-2	**आचार्य रामचंद्र शुक्ल : इतिहास**	**10**	**3**	**2**	**15**	**25%**

	दृष्टि ● इतिहास लेखन की परंपरा और **आचार्य रामचंद्र शुक्ल** ● हिंदी साहित्य का इतिहास : प्राचीन काव्य का मूल्यांकन ● हिंदी साहित्य का इतिहास : मध्यकालीन काव्य का मूल्यांकन					
मॉड्यूल-3	**आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी निबंध** ● आचार्य रामचंद्र शुक्ल की निबंध द्रष्टि ● मनोविकार संबंधी निबंध (चिंतामणि- पहला भाग) ● आचार्य रामचंद्र शुक्ल के स्फुट निबंध	**10**	**3**	**2**	**15**	**25%**
मॉड्यूल-4	**आचार्य रामचंद्र शुक्ल : विविध रूप** ● संपादक ● अनुवादक (विश्व प्रपंच की भूमिका) ● कवि (चयनित कविताएं ● कहानीकार (ग्यारह वर्ष का समय)	**10**	**3**	**2**	**15**	**25%**
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान : (Approaches, Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, लोक प्रस्तुति
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण,दृश्य श्रव्य माध्यम
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , दृश्य श्रव्य माध्यम इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8

पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण(APA प्रारूप में)
1	आधार पाठ्य ग्रंथ	चिंतामणि भाग 1 चिंतामणि भाग 2 चिंतामणि भाग 3 चिंतामणि भाग 4 आचार्य रामचंद्र शुक्ल ग्रंथावली
2	संदर्भ-ग्रंथ	शर्मा, रामविलास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली शर्मा, रामविलास, परंपरा का मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली सिंह, नामवर, इतिहास और आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली सिंह, नामवर, दूसरी परंपरा की खोज, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली सिंह, नामवर, रामचंद्र शुक्ल संचयन, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली तिवारी, रामचंद्र, हिंदी आलोचना : शिखरों का साक्षात्कार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3	ई-संसाधन	hindisamay.com, kavitakosh.org, hindinews18.com, epustakaly .com, www.pustak.org
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for theCourse

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइनव्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**15+5=20**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	साहित्य विवेक का निर्माण एवं विकास
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course) :विशेष रचनाकार : प्रेमचंद

2.पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course): MHS406

3.क्रेडिट(Credit): 044. सेमेस्टर(Semester):चतुर्थ

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)**:** प्रेमचंद हिंदी साहित्य में कथा सम्राट के रूप में समादृत हैं. हिंदी कथा साहित्य को दिशा और दृष्टि प्रदान करने में प्रेमचंद का योगदान अप्रतिम है. इस पाठ्यचर्या के अंतर्गत प्रेमचंद के व्यक्तित्व और उनकी महत्वपूर्ण रचनाओं के अध्ययन और विश्लेषण की योजना की गयी है। विद्यार्थियों को प्रेमचंद के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से सम्पूर्णता से परिचित होने का अवसर प्राप्त होगा.

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	प्रस्तुत पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी को हिंदी के एक बड़े साहित्यकार प्रेमचंद के जीवन, व्यक्तित्व और उनके समय व समाज को प्रामाणिक रूप से जानने-समझने का अवसर प्राप्त होगा।
कौशल/दक्षता संबंधी	कथा साहित्य को जानने-समझने की दृष्टि का विकास कर पाएंगे और प्रेमचंद के कथा सरोकारों और मूल्यों को आत्मसात कर सकेंगे. आज़ादी के पूर्व राष्ट्रीय आंदोलन में प्रेमचंद के माध्यम से हिंदी साहित्य के योगदान को समझ सकेंगे.
रोजगार संबंधी	सर्जनात्मक लेखन और अध्यापन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूलसंख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	**बहुआयामी साहित्यकार प्रेमचंद** ● प्रेमचंद का जीवन ● कहानीकार प्रेमचंद ● उपन्यासकार प्रेमचंद ● निबंधकार प्रेमचंद ● पत्रकार प्रेमचंद ● प्रेमचंद का अन्य साहित्य	**10**	**3**	**2**	**15**	**25%**
मॉड्यूल-2	**प्रेमचंद की साहित्यिक मान्यताएं** ● प्रेमचंद के साहित्य में आदर्श और यथार्थ ● प्रेमचंद के साहित्य में गांधीवाद और राष्ट्रवाद ● प्रेमचंद साहित्य और साम्राज्यवाद ● प्रेमचंद साहित्य और साम्प्रदायिक सद्भाव ● प्रेमचंद का साहित्य और हिंदी आलोचना	**10**	**3**	**2**	**15**	**25%**
मॉड्यूल-3	**प्रेमचंद का साहित्य और सवाल** ● प्रेमचंद साहित्य और किसान-मजदूर प्रश्न ● प्रेमचंद साहित्य और दलित प्रश्न ● प्रेमचंद साहित्य और स्त्री प्रश्न ● प्रेमचंद का साहित्य और भाषा के प्रश्न ● प्रेमचंद का साहित्य और अन्य प्रश्न	**8**	**3**	**2**	**15**	**25%**
मॉड्यूल-4	**व्याख्या एवं आलोचना** निर्धारित पाठ ● कहानियाँ- पूस की रात, ठाकुर का कुआँ, शतरंज	**12**	**3**	2	**15**	**25%**

	के खिलाडी, सवा सेर गेहूँ, ईदगाह, सद्गति, दो बैलों की कथा, पंच परमेश्वर, नशा, गुल्ली डंडा, बडे भाई साहब ● उपन्यास- रंगभूमि, कर्मभूमि गबन, प्रेमाश्रम, निर्मला ● साहित्य का उद्देश्य, मानसिक पराधीनता, स्वराज्य के फायदे, उर्दू, हिंदी, हिंदुस्तानी, बच्चों को स्वाधीन बनाओ, साम्प्रदायिकता और संस्कृति, महाजनी सभ्यता					
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान : (Approaches, Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, लोक प्रस्तुति
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण,दृश्य श्रव्य माध्यम
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , दृश्य श्रव्य माध्यम इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन(25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण(APA प्रारूप में)
1	आधार पाठ्य ग्रंथ	मानसरोवर, कर्मभूमि, गबन, निर्मला रंगभूमि, प्रेमाश्रम, प्रेमचंद : कुछ विचार
2	संदर्भ-ग्रंथ	प्रेमचंद घर में- शिवरानी देवी प्रेमचंद और उनका युग- रामविलास शर्मा प्रेमचंद : एक विवेचन- इंद्रनाथ मदान प्रेमचंद और भारतीय किसान- रामबक्ष
3	ई-संसाधन	hindisamay.com, epustakaly .com, www.pustak.org
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for theCourse

1. पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course) :परियोजना कार्य
2. पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course) : MHS407
3. क्रेडिट(Credit) : 04
4. सेमेस्टर(Semester) :चतुर्थ

19.10.2020
(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

29/10/2020
(संकायाध्यक्ष)

एम. ए. हिंदी साहित्य

पाठ्यचर्या - परियोजना कार्य

1. किसी एक भारतीय भाषा की मानक कृति या अंश का हिंदी में अनुवाद
2. किसी भारतीय भाषा से हिंदी में हुए अनुवाद का सूचीकरण, अध्ययन और विश्लेषण
3. हिंदी से किसी भारतीय भाषा में हुए अनुवाद का सूचीकरण, अध्ययन और विश्लेषण
4. हिंदी की किसी मानक कृति का विवेचनात्मक अध्ययन
5. किसी भारतीय भाषा की मानक कृति का विवेचनात्मक अध्ययन
6. हिंदी की किसी कृति का अन्य भारतीय भाषा की कृति से तुलनात्मक अध्ययन
7. लोक साहित्य सर्वेक्षण एवं संग्रह

29.10.2020

(विभागाध्यक्ष)

(संकायाध्यक्ष) 29/10/2020